04.

राजस्थान की कला एवं संस्कृति

(i) राजस्थान के प्रमुख रीति-रिवाज, प्रथाएँ, परम्पराएँ, वेशभूषा, आभूषण एवं शब्दावली

1. ओगनिया, अंगोटिया, सुरलिया, आभूषण पहने जाते हैं-

(a) सिर पर (b) कलाई पर
(c) कानों में (d) पैरों में

Rajasthan CET (G. Level) 2022 Set-C

Ans. (c) : राजस्थान में कानों में पहने जाने वाले आभूषण ओगनिया, अंगोटिया, सुरलिया, झूमका, कुण्डल, कर्णफूल, झाला, बाला, पत्ती, बारेठ, लटकन, जमेला, पीपलपत्ता और झेला है। सिर पर शीशफूल, सुरमंग, रखड़ी, बोरला, टीका, साँकली, मेमंद और और फीणी आदि पहना जाता है।

2. ताणना एवं मोर बंधिया विवाह, निम्न में से किस जनजाति में प्रचलित हैं?

(a) सांसी (b) मीणा
(c) भील (d) गरासिया

Rajasthan CET (G. Level) 2022 Set-C

Ans. (d) : जनसंख्या की दृष्टि से गरासिया जनजाति का राज्य में तीसरा स्थान है। इनका मुख्य क्षेत्र दक्षिणी राजस्थान है। इनके मोहल्ले को फालिया कहा जाता है। इस जनजाति में पित्त सत्तात्मक एवं एकल परिवार प्रथा पायी जाती है। इस जनजाति में ताणना, मोर बंधिया तथा पहरावना विवाह प्रचलित है।

3. निम्नलिखित में से कौन-सा युग्म सही सुमेलित नहीं है?

(a) ऊबछठ-भाद्रपद कृष्ण पक्ष षष्ठी
(b) गणगौर-चैत्र शुक्ल तृतीया
(c) घुड़ला-श्रावण शुक्ल तृतीया
(d) फूलडोल-चैत्र कृष्ण प्रतिपदा

Rajasthan CET (G. Level) 2022 Set-D

Ans. (c) : मारवाड़ के जोधपुर, बाड़मेर, जैसलमेर आदि जिलों में चैत्र कृष्ण सप्तमी अर्थात् शीतला सप्तमी से लेकर चैत्र शुक्ला तृतीया तक धुड़ला त्यौहार मनाया जाता है। धुड़ला एक छिद्र किया हुआ मिट्टी का घड़ा होता है जिसमें दीपक जला कर रखा जाता है। इस त्यौहार में गाँव या शहर की लड़कियाँ शाम के समय एकत्रित होकर सिर पर धुड़ला लेकर समूह में मोहल्ले में घूमती है। अन्य विकल्प सही सुमेलित है।

4. ग़रासिया जनजाति में 'मोर बन्धिया' रीति रिवाज, किस अवसर से जुड़ा हुआ है?

(a) जन्म (b) विवाह
(c) सगाई (d) तलाक

Rajasthan CET (G. Level) 2022 Set-D

Ans. (b) : गरसिया जनजाति में 'मोर बन्धिया' रीति रिवाज, विवाह के अवसर से जुड़ा हुआ है। 'मोर बन्धिया' विशेष प्रकार का विवाह है जिसमें हिन्दुओं के भाँति फेरे लिए जाते हैं। यह जनजाति भील जनजाति से सम्बन्धित है, वे स्वयं को चौहान वंशज मानते हैं तथा शिव, दुर्गा और भैरव की पूजा करते हैं। इस जनजाति के लोग मोर को आदर्श पक्षी मानते हैं।

5. मुगल सम्राट शाहजहाँ के समय से ही प्रसिद्ध 'नाहर नृत्य' के आयोजन की परम्परा, कहाँ प्रचलित है?

(a) चोमू (b) चाकसू
(c) माण्डल (d) किशनगढ़

Rajasthan CET (G. Level) 2022 Set-D

Ans. (c) : मुगल सम्राट शाहजहाँ के समय से ही प्रसिद्ध 'नाहर नृत्य' के आयोजन की परम्परा माण्डल कस्बे में प्रचलित है। माण्डल कस्बा वर्तमान में भीलवाड़ा जिले का एक महत्वपूर्ण उपखण्ड मुख्यालय है। यह बनास नदी की सहायक कोठारी नदी के किनारे स्थित है। इस नृत्य को प्रतिवर्ष रंगतेरस (चैत्र कृष्ण त्रयोदशी) के दिन प्रस्तुत किया जाता है। यह शौर्य प्रदर्शन तथा भक्ति भाव से परिपूर्ण नृत्य है।

6. भील जनजाति के पुरुष कमर पर जो वस्त्र लपेटा करते हैं, उसे क्या कहा जाता हैं?

(a) जामा (b) कछाबू
(c) पोल्या (d) खोयतु

Rajasthan CET (G. Level) 2022 Set-A

Ans. (d) : भील जनजाति के पुरुष कमर पर जो वस्त्र लपेटते हैं उसे खोयतु कहा जाता है। 'ढेपाड़ा' आदिवासी पुरुषों द्वारा पहने जाने वाली तंग धोती है। इनके सिर पर बांधा जाने वाला मोटा वस्त्र 'पोतियां' कहलाता है।

7. 'बढ़ार' क्या है?

(a) विवाह पर आयोज्य भोज
(b) राजस्थान का एक जनजाति
(c) अंत्येष्टि की एक क्रिया
(d) राजस्थान की एक झील

Rajasthan CET (G. Level) 2022 Set-A

Ans. (a) : विवाह होने के अगले दिन वर पक्ष द्वारा नवदम्पत्ति के लिए रखे जाने वाले आशीर्वाद समारोह और प्रीतिभोज को बढ़ार कहा जाता है।

8. भारतीय ड़ाकतार विभाग द्वारा जारी `फड़' है—

(a) रामदेवजी की फड़ (b) पाबूजी की फड़
(c) देवनारायणजी की फड़ (d) तेजाजी की फड़

उत्तर—(a)

RPSC RAS/RTS 2006-07

व्याख्या—भारतीय डाकतार विभाग द्वारा जारी ''फड़'' रामदेवजी की फड़ है।